इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, मंगलवार, 28 जनवरी, 2025
वर्ष : 17 अंक : 145 मूल्य : 4-00 रुपया पृष्ठ : 12

"जिस व्यक्ति ने कल्पना के महल नहीं बनाए, उसे वास्तविक महल की उपलब्धि कभी नहीं हो सकती।"
- निवेदिता

तापमान - अधिकतम 24.0°C (+0.3) न्यूनतम 08.0°C(-0.6) सेंसेक्स 75,366.17 (-824.29) निफ्टी 22,229.15 (-263.05) सोना 82,400 चांदी 96,500 मुद्रा - डालर 86.39 दिरहम 23.52 रियाल 23.03

एरा यूनिवर्सिटी में हर्षोल्लास से मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

- कुलपति ने विश्वविद्यालय के सालभर की उपलब्धियां गिनायीं
- केंद्र सरकार ने कॉलेज में एमबीबीएस सीटें 150 से बढ़कर 200 करने की मंजूरी दी

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा यूनिवर्सिटी में 76वां गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में सदस्य, कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। समारोह की शुरुआत एरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रगान और देशभक्ति गीत गाए। इसके बाद कुलपति ने अपने भाषण में इस दिन के महत्व और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है, इस बारे में बताया। इस मौके पर प्रो. महदी ने पिछले एक साल के दौरान एरा विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमारे मेडिकल कॉलेज में भारत सरकार ने एमबीबीएस सीटों को 150 से बढ़ाकर 200 करने की मंजूरी दी है। नर्सिंग कॉलेज को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मेंटर संस्थान के रूप में नामित किया गया है। सालभर में एरा ने ऐसी कई उपलब्धियां अर्जित की हैं।

कुलपति ने कहा कि हमारा संविधान न केवल देश का सर्वोच्च कानून है बल्कि यह सरकार और उसकी संस्थाओं की संरचना, प्रक्रियाओं, शक्तियों और कर्तव्यों को भी स्थापित करता है एवं नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को भी परिभाषित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा संविधान भारत को एक संप्रभुता, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है और नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता का अधिकार देता है और भाईचारे को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। उन्होंने संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका और संविधान के बारे में अन्य विवरणों के बारे में विस्तार से बात की।

प्रो. महदी ने पिछले एक साल के दौरान एरा विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने पिछले एक साल के दौरान मेडिकल कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज और विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों की विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धियों के बारे में बात की। उन्होंने कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को उनके योगदान के लिए बधाई दी और उनसे संस्थान के आगे के उत्थान के लिए समर्पण और निष्ठा के साथ काम करना जारी रखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने रोगी देखभाल में उनके योगदान के लिए कार्डियोलॉजी और कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी विभागों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय के परीक्षा अनुभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बात की जिसने पूरी गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखते हुए सैकड़ों परीक्षाएं आयोजित की हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र प्रकोष्ठ और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ अच्छा काम कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन रजिस्ट्रार प्रो. अनु चंद्रा ने किया।